तीन विद्यालयों में 100 बाल्टी कलर, मरम्मत में 900 बोरी सीमेंट

# फिर बोतल से निकला "सुधाकर कंस्ट्रक्शन" का जिन्न

### नौडिया, महादेवा और खड़ौली से हुआ लाखों का भुगतान

**शहडोल।** ब्यौहारी विकास खण्ड में शिक्षा विभाग का भ्रष्टाचार एक बार फिर उजागर हो गया है। सुधाकर कंस्ट्रक्शन नामक फर्म, जो पहले भी फर्जी बिलिंग और बिना काम के भुगतान में पकड़ी जा चुकी है, अब तीन विद्यालयों में लाखों के भुगतान की नई परत खोल रही है। विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से बिना काम के रेत, सीमेंट और मजदूरी के नाम पर सरकारी खजाने को लूटा गया है। जिले का ब्यौहारी विकास खण्ड मानो भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। यहां सुधाकर कंस्ट्रक्शन नाम की फर्म बार-बार फर्जी बिलिंग, बिना काम के भुगतान और कागजों में निर्माण कार्य दिखाकर लाखों की रकम हड़प रही है। शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी न केवल इस घोटाले को नजरअंदाज कर रहे हैं, बल्कि अपनी भूमिका को छुपाने के लिए मामला संज्ञान में नहीं है जैसे रटे-रटाए बहानों के पीछे छिपते हैं। ताजा मामला 20 फरवरी 2025 का है। ब्यौहारी विकास खण्ड के अंतर्गत आने वाले तीन विद्यालय महदेवा का शासकीय हाई स्कूल, नौढिय़ा का हाई स्कूल और खड़हुली का शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लाखों की रकम का गबन हुआ। इन तीनों विद्यालयों में सुधाकर कंस्ट्रक्शन द्वारा छत की मरम्मत और पुताई के नाम पर क्रमशः 3 लाख 32 हजार 750, 4 लाख 65 हजार 875 और 4 लाख 22 हजार 950 रुपये का भुगतान किया गया। आश्चर्य की बात यह है कि तीनों भुगतान एक ही तारीख, 20 फरवरी को जारी बिलों पर किए गए और जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश से महज 25 फरवरी को राशि भी निकाल ली गई।

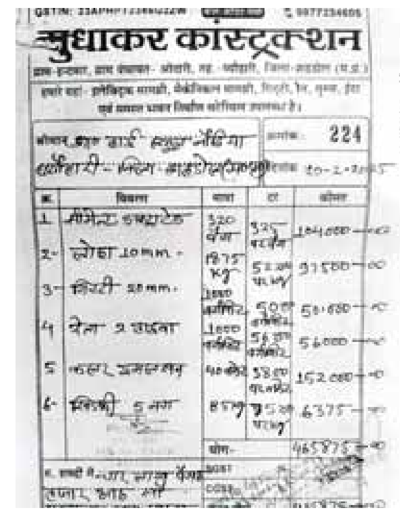

### बिना काम के भुगतान

स्थानीय लोगों और विद्यालय प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इन तिथियों में विद्यालयों में कोई वास्तविक काम हुआ ही नहीं। यही नहीं बाद में सकंदी और निपनिया घोटाले के उजागर होने के बाद आनन-फानन में विद्यालयों की छतों पर केवल रेत और सीमेंट का दिखावटी लेप बिछाया गया, ताकि कागजों में दिखाए गए कार्य का भ्रम पैदा हो सके। भुगतान के बिलों में 05 हाइवा रेत खरीदी का जिक्र है, जिसकी दर 28 हजार प्रति हाइवा दर्शाई गई है, लेकिन न तो विद्यालयों ने और न ही सुधाकर कंस्ट्रक्शन ने इन तिथियों में रेत खरीदी का कोई वास्तविक रिकॉर्ड प्रस्तुत किया। जिले में खनन का काम कर रही कंपनी के दस्तावेज भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि उन तिथियों में न तो सुधाकर कंस्ट्रक्शन और न ही किसी विद्यालय के नाम पर रेत खरीदी गई। यह स्थिति सीधे-सीधे भ्रष्टाचार का खुला प्रमाण है।

### जिम्मेदार अधिकारी बने कठपुतली

इस घोटाले की जड़ में एक बार फिर रमसा के प्रभारी अरविंद पांडे का नाम सामने आ रहा है। वह खुद सामने आकर कुछ भी लिखित हस्ताक्षर या बयान नहीं देते, लेकिन पर्दे के पीछे से पूरी कार्यप्रणाली को नियंत्रित करते हैं। उनके इशारों पर सुधाकर कंस्ट्रक्शन को काम दिए जाते हैं और जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची के हस्ताक्षरों से सारे भुगतान पूरे कर लिए जाते हैं। आश्चर्यजनक है कि तीनों विद्यालयों के प्राचार्यों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। फरवरी 2025 में नौढिय़ा और खड़हुली विद्यालयों की जिम्मेदारी ब्रह्मानंद श्रीवास्तव के पास थी। अब इन्हें उनके उत्कृष्ट कार्य के नाम पर प्रभारी बीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं महदेवा विद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य के.एल. यादव ने इस मामले में किसी भी सवाल का जवाब देना उचित नहीं समझा। वर्तमान प्राचार्य राजेश मिश्रा (नौढिय़ा) और सत्यप्रकाश द्विवेदी (खड़हुली) ने भी गुणवत्ता पर मौन साध लिया है।

### सुधाकर कंस्ट्रक्शन का जादू

सुधाकर कंस्ट्रक्शन का नेटवर्क शिक्षा विभाग में

### रमसा के अरविंद के करीबी सुधाकर कंस्ट्रक्शन का कारनामा

इतना मजबूत है कि फर्म को न सिर्फ लगातार काम मिलते हैं, बल्कि भोपाल से फंड जारी होने के 15-20 दिनों में ही विद्यालय चयन, बिलिंग, निर्माण कार्य और भुगतान की पूरी प्रक्रिया पूरी हो जाती है। इस तरह की तेजी किसी पारदर्शी प्रणाली का हिस्सा नहीं, बल्कि विभागीय मिलीभगत का साफ संकेत है। ब्यौहारी के सकंदी गांव में इसी फर्म ने पहले 4 लीटर पेंट से 168 मजदूरों से पुताई कराने का फर्जीवाड़ा किया था, जिसे विधानसभा तक में मुद्दा बनाया गया था। इसके बावजूद प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस फर्म पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। अब वही खेल तीन और विद्यालयों में दोहराया गया है।

### जांच की मांग

यह पूरा मामला एक बार फिर शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जब बिना काम के लाखों का भुगतान हो रहा है, रेत खरीदी के कोई साक्ष्य नहीं हैं और कागजों पर निर्माण कार्य पूरे दिखाए जा रहे हैं, तो यह केवल ठेकेदार का अपराध नहीं बल्कि विभागीय मिलीभगत का संगठित भ्रष्टाचार है। जनता का सवाल है कि जब विधानसभा में मामला उठ चुका है, मीडिया लगातार इस पर रिपोर्टिंग कर रहा है, और तथ्य दस्तावेजों के साथ सामने हैं, तो आखिर क्यों सुधाकर कंस्ट्रक्शन और संबंधित अधिकारियों पर अब तक कोई कठोर कार्यवाही नहीं हुई? क्या प्रशासन इस मामले को भी 'जांच लंबित है' कहकर ठंडे बस्ते में डाल देगा?

---

## खबर संक्षेप

### वरिष्ठ नागरिक सेंटर एसोसिएशन की बैठक संपन्न

**शहडोल।** वरिष्ठ नागरिक सेंटर एसोसिएशन की बैठक राजीव गांधी कम्प्यूटर मण्डल शहडोल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी ने की। इस अवसर पर प्रांतीय प्रभारी अध्यक्ष रमाकांत तिवारी, उप प्रांतीय अध्यक्ष के.पी. मेहता, संगठन मंत्री रविकांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात जिला पदाधिकारियों ने प्रांतीय पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रांतीय प्रभारी रमाकांत तिवारी ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के लिए आवाज उठाना और उनकी समस्याओं का समाधान कराना है। उन्होंने अपील की कि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिक संगठन से जुड़ें ताकि सामूहिक प्रयासों से उनकी समस्याओं का हल निकल सके और समाज में उन्हें उनके अनुभव व योगदान के अनुरूप सम्मानजनक स्थान मिल सके।
जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी ने अपने संबोधन में संगठन की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एसोसिएशन ने हमेशा वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाया है और आगे भी इस दिशा में निरंतर कार्य करता रहेगा।
बैठक में महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष डॉ. आशा श्रीवास्तव, डॉ. जे.एन. त्रिपाठी (केशवगढ़), एच.पी. सिंह (धनपुरी), के.के. सिंह, अरुण कुमार उपाध्याय, संतराम पाण्डेय, पी.एम. नायडू, गिरिजा तिवारी, अशोक श्रीवास्तव, संजीव कुमार पाण्डेय, एम.पी. दुबे सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। बैठक का संचालन लोकेश प्रसाद तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला सचिव अशोक कुमार द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, समस्याओं एवं संगठन की सदस्यता विस्तार पर विशेष बल दिया गया।

### डिस्ट्रिक्ट प्रोसेस लैब में विजन प्लान बनाने के गुण सीख रहे ब्लाक मास्टर ट्रेनर

**शहडोल।** भारत शासन जन जातीय कार्य मंत्रालय के तत्वाधान में जनजातीय ग्रामो में शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रदान कर उनके जीवन स्तर में बदलाव की दिशा में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत ब्लाक मास्टर ट्रेनर की डिसट्रिक्ट प्रोसेस लैब का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 20 अगस्त 2025 से दिया जा रहा है। प्रोसेस लैब में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रास रुट लेबल पर चिन्हित ग्रामों मे कैसे विजन प्लान ग्राम के लोगों एवं समुदायिक जनसहयोग से कैसे बनाए जायेगे के गुर जिला मास्टर ट्रेनर के माध्यम से सीख रहे हैं। इसके लिए जो गतिविधियां प्रमुख रूप से कराई गई

### जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

**शहडोल।** जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम के माध्यम से बताया गया कि प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र स्तर पर 23 अगस्त 2025 को कक्षा एक एवं दो के शिक्षक एवं 30 अगस्त 2025 को कक्षा 3 से 5 के शिक्षकों के बीच में शैक्षिक संवाद कराया जाएगा, जिसमें सभी शिक्षक अपने बेस्ट प्रैक्टिसेस एवं शैक्षिक व्यावसायिक उन्नयन का विकेंद्रीकरण करेंगे। अगस्त माह के शैक्षिक संवाद का मुख्य विषय प्रभावी शिक्षण में शिक्षक संदर्शिका की भूमिका पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर डाइट प्राचार्य श्रीमती अभिलाषा मिश्रा, जिला परियोजना समन्वयक श्री अमरनाथ सिंह, बीआरसीसी, बीएसी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

---

## शहडोल में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह

### उपलब्धि पर गर्व, लेकिन बैठक व्यवस्था पर हंगामा

**शहडोल।** संपूर्णता अभियान की उपलब्धियों पर गर्व का मौका उस समय विवादों में बदल गया जब शुक्रवार को गोहपारू विकासखंड के शासकीय आईटीआई परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में बैठक व्यवस्था को लेकर भाजपा नेताओं ने जमकर हंगामा कर दिया। कार्यक्रम का मकसद आकांक्षी ब्लॉक गोहपारू में हुए सकारात्मक बदलावों को रेखांकित करना और स्व-सहायता समूहों, प्रतिभागियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था। गौरतलब है कि हाल ही में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शहडोल जिले को संपूर्णता अभियान के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सिल्वर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया था। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और उनकी टीम को यह सम्मान जिले के 6 में से 5 सामाजिक संकेतकों पर 100 प्रतिशत सैचुरेशन हासिल करने के लिए दिया गया। लेकिन गोहपारू के कार्यक्रम में प्रशासन की अव्यवस्था ने समारोह की गरिमा को धूमिल कर दिया। शुरुआत से ही बैठक व्यवस्था को लेकर नेताओं और जनप्रतिनिधियों में असंतोष दिखाई दिया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि पब्लिक प्लेस में आयोजित

कार्यक्रम में पर्याप्त कुर्सियों की व्यवस्था नहीं की गई, जिसके चलते कई जनप्रतिनिधियों को खड़े रहना पड़ा। असुविधा से नाराज नेताओं ने मंच संचालकों और अधिकारियों पर लापरवाही का ठीकरा फोड़ा। तनाव उस समय और गहरा गया जब मंच पर बुढ़ार जनपद पंचायत उपाध्यक्ष को स्थान दिया गया लेकिन गोहपारू जनपद अध्यक्ष की अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठे। इससे माहौल गर्मा गया और कुछ देर तक समारोह हंगामे की भेंट चढ़ता नजर आया। हालांकि बाद में मामला शांत हुआ और कार्यक्रम पूरा हो सका। इस पूरे विवाद ने न केवल आयोजन की चमक फीकी कर दी बल्कि यह भी सवाल खड़े कर दिए कि जब मंच और बैठक व्यवस्था जैसी बुनियादी तैयारियों में ही प्रशासन चूक जाए, तो बड़े कार्यक्रमों की गंभीरता और गरिमा कैसे बरकरार रखी जा सकेगी।

## छात्राओं को सिखाई गई पर्यावरण अनुकूल मूर्ति निर्माण की कला

**शहडोल।** क्षेत्रीय कार्यालय, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल के तत्वावधान में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण विषयक संगोष्ठी एवं मूर्ति निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा 11वीं और 12वीं की छात्राओं को पारंपरिक तरीके से छोटी मूर्तियां बनाने की कला कलाकार द्वारा सिखाई गई। इस दौरान मूर्ति विसर्जन से जुड़े पर्यावरणीय प्रभावों तथा उन्हें कम करने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी में क्षेत्रीय अधिकारी मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि त्योहारों में उपयोग की जाने वाली प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां नदियों और तालाबों को प्रदूषित करती हैं, इसलिए हमें मिट्टी व प्राकृतिक रंगों से बनी मूर्तियों को अपनाना चाहिए। बी.एम. पटेल और विश्वनाथ वर्मा ने बच्चों को सरल भाषा में बताया कि कैसे छोटी-छोटी आदतें पर्यावरण को सुरक्षित बना सकती हैं। वहीं सुश्री शालिनी और सुभाष निगम ने छात्राओं को प्रदूषण रोकथाम संबंधी उपायों से अवगत कराया। मूर्तिकार ने मौके पर छात्राओं को मिट्टी से मूर्ति गढने की बारीकियां दिखाईं और उन्हें स्वयं मूर्तियां बनाने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर मिट्टी से आकर्षक मूर्तियां तैयार कीं। कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल की प्राचार्य श्रीमती साधना जैन ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों को न केवल कला से जोड़ती हैं बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा भी देती हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी के साथ-साथ कामता प्रसाद वर्मा, विद्यालय स्टाफ तथा छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण अनुकूल परंपराओं की ओर अग्रसर करना और स्वच्छ, सुरक्षित वातावरण की दिशा में जागरूकता फैलाना रहा।

## विश्वविद्यालय में करियर अवेयरनेस वर्कशॉप सम्पन्न

**शहडोल।** पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय करियर अवेयरनेस अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय करियर अवेयरनेस वर्कशॉप एवं इंडस्ट्री-एकेडेमिया प्रेजेंटेशन का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं यूजीसी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ उद्योग जगत की नई प्रवृत्तियों से जोडऩा तथा उन्हें उभरते करियर विकल्पों की जानकारी देना रहा। आयोजन का निर्देशन कुलगुरु प्रो. रामशंकर द्वारा किया गया, जबकि कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में प्रो. अमित निगम, डॉ. हेमंत पाठक, डॉ. योगिता बसने, डॉ. जितेंद्र सेन, डॉ. रजनी गौतम एवं डॉ. सौरभ शिवा ने सफल संयोजन किया। इस अवसर पर विशेषज्ञ के रूप में मैग्नम एजुकेटर की मैनेजिंग डायरेक्टर प्रभजोत सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्तीय बाजार, इक्विटी रिसर्च, ट्रेडिंग, डेटा एनालिटिक्स, बिजनेस इंटेलिजेंस, कंसल्टिंग और ग्लोबल रिसर्च फम्र्स जैसे उभरते क्षेत्रों में करियर अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और नवीन तकनीकी दक्षताओं के माध्यम से छात्र उच्च वेतनमान वाली नौकरियों के लिए स्वयं को तैयार कर सकते हैं।कार्यशाला में स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन प्रदान किए गए, साथ ही पंजीकृत छात्रों को पाँच हजार रुपये मूल्य के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स भी उपलब्ध कराए गए। उद्योग विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढक़र नए अवसरों की ओर कदम बढ़ाएँ। इस मौके पर प्रो. अमित निगम ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों के उत्साह और सहभागिता से जीवंत नजर आया।

## विद्यार्थी, तनावमुक्त होकर करें परीक्षा की तैयारी: सदस्य, बाल संरक्षण आयोग

### सदस्य बाल संरक्षण आयोग ने महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय का किया निरीक्षण

**शहडोल।** म.प्र.बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार ने संभागीय मुख्यालय के महर्षि विद्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। सदस्य बाल संरक्षण आयोग श्रीमती मेघा पवार ने विद्यार्थियो से संवाद करते हुए बताया कि आगामी समय में त्रैमासिक परीक्षाएं शुरू होने वाली है। उन्होंने परीक्षा की तैयारी मेहनत, लगन एवं तनावमुक्त होकर पढाई करने की समझाईस विद्यार्थियों को दी। उन्होंने कहा कि समय निर्धारित कर शिक्षको द्वारा पढाए गए पाठ्यक्रम को बार-बार पढें एवं लिखे तथा परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करे। उन्होंने कहा कि कमजोर विद्यार्थियों पर शिक्षक विशेष ध्यान दे और समूह बनाकर पढाई करवाएं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सोशल मीडिया के उपयोग से बचें एवं मोबाइल का उपयोग शिक्षा एवं आईटी के ज्ञान के लिए सकारात्मक ढंग से करें, अनावश्यक मोबाइल के उपयोग से बचे। उन्होंने विद्यालयों की विभिन्न गतिविधियों, स्कालरशिप, स्कुल बस, स्कूल मान्यता, जैसे अन्य विषयों की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश विद्यालय के संचालको को दिए। उन्होंने सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करनें, अनावश्यक गेम के लिए उपयोग न करने और प्रतिदिन समाचार पत्रो के माध्यम से देश-विदेश की जानकारी लेने के लिए शपथ भी दिलाई। उमंग हेल्पलाइन नंबर 14425 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती संजीता भगत सहित विद्यालय के संचालक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

## माटी गणेश सिद्ध गणेश अंतर्गत संभाग स्तरीय कार्यशाला संपन्न

**शहडोल।** प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए गणेशोत्सव के दौरान माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान प्रारंभ किया है। जन अभियान परिषद शहडोल द्वारा स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पांडव नगर शहडोल में संभाग स्तरीय कार्यशाला का अयोजन विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में मिट्टी को शुद्ध एवं पवित्र माना जाता है। मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा को श्रेष्ठ माना गया है। आपने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान आम जन मिट्टी से बनी गणेश मूर्ति की ही स्थापना करके पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर राम कृष्ण पर्यावरण विद, अमित दवे ,प्रांत संगठन मंत्री विद्या भारती भीम सिंह डामोर संभाग समन्वयक जन अभियान परिषद, विष्णू मिश्रा व्यवस्थापक ,विवेक पांडेय जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, अनिल द्विवेदी प्राचार्य, आलोक सोंधिया ब्लॉक समन्वयक, ऋतिक गुप्ता मूर्तिकार तथा विद्यालय के विद्यार्थियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राम कृष्ण प्रांत पर्यावरण प्रमुख महाकौशल ने कहा कि मिट्टी से बनी मूर्तियां विसर्जन के बाद जल में घुल जाती हैं। जबकि प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनाई गई मूर्तियां जल स्त्रोतों को खराब करती हैं तथा विसर्जन के बाद पानी में घुलती भी नहीं हैं। पर्यावरण को संरक्षित करना तथा उसे बचाने का दायित्व हम सबका है। हम सबको गणेश उत्सव के दौरान मिट्टी से बनीं मूर्तियों की ही स्थापना करनी चाहिए। अमित दवे ,प्रांत संगठन मंत्री विद्या भारती महाकौशल ने कहा कि मिट्टी में पांच तत्व जल, भूमि, आकाश, वायु तथा अग्नि मौजूद होते हैं। मिट्टी को बहुत ही पवित्र एवं शुद्ध माना गया है। पुराणों में भी इस बात का वर्णन है कि माता पार्वती जी नें सबसे पहले मिट्टी के गणेश जी बनाकर यह परंपरा शुरू की थी। भीम सिंह डामोर संभाग समन्वयक जन अभियान परिषद ने कहा कि ईको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं प्रदूषण नहीं फैलाती हैं। पूरे प्रदेश में गणेश उत्सव के दौरान मिट्टी बनीं प्रतिमाओं की स्थापना की जा रही है। जन अभियान परिषद के माध्यम से जिले के विभिन्न स्थानों में कार्यशालाएं आयोजित कर आम जन को मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय ने किया।

**खबर संक्षेप**

## नैगवाँ टोला, लालपुर, जमुनिहा, घंघरी नाका, घंघरी बस्ती में बिजली सप्लाई आज रहेगी बंद

**उमरिया।** मप्रपूक्षेविवि कंपनी लिमिटेड उमरिया ने बताया कि उमरिया शहर उपकेन्द्र से निकलने वाली 11 के. व्ही. रीवा रोड फीडर का 23 अगस्त दिन शनिवार को फजिलगंज ऐ.बी. स्विच के आगें से फीडर का मेंटिनेंस, ट्री कंटिग व लाईनों का रखरखाव का कार्य सुबह 8 से 11 बजे तक किया जाना है। इस दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। फीडर से विद्युत आपूर्ति से प्रभावित होने वाले फजिलगंज के आगे का क्षेत्र नैगवाँ टोला, लालपुर, जमुनिहा, घंघरी नाका, घंघरी बस्ती, साई कॉलोनी, में रीवा रोड फीडर की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी । उपभोक्ता से सहयोग की अपेक्षा की गई हैं। तेज वृष्टि अथवा आवश्यकता अनुसार समय घटाया/बढ़ाया/निरस्त भी किया जा सकता है।

## आज कटनी जिले में आयोजित होगी खनिज कान्क्लेव

**उमरिया।** प्रदेश एवं देश की आर्थिक उन्नति के लिए खनन क्षेत्र मे अद्यतन तकनीक के उपयोग तथा खनन क्षेत्र को विकसित करने हेतु 23 अगस्त 2025 को जिला कटनी में आयोजित खनिज कान्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री,राज्य के मंत्रीगण, भारत सरकार कोयला खनन मंत्री एवं कोयला खनन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारीगण राज्य शासन एवं देश के महत्वपूर्ण उद्योगपति, निवेशक, तकनीकी विशेषज्ञ, खनिज क्षेत्र के विद्वान तथा विशिष्ट आंगतुक सम्मिलित होंगे। जिनके मध्य खनन क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण संवाद होगें। जिसमें प्रदेश एवं देश की आर्थिक उन्नति के लिए खनन क्षेत्र में अद्यतन तकनीक के उपयोग की संभावानायें विकसित हो सकेगी। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा उमरिया ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत खनन क्षेत्र के उत्पाद, खनन क्षेत्र में संभावित तकनीक के उपयोग के संबंध में उपकरणों आदि का प्रदर्शन किया जायेगा। जिससे खनन क्षेत्र को विकसित करने में लाभ होगा। खनिज कान्क्लेव के जिला कटनी में आयोजन के संबंध में आपके जिले के अग्रणी खनन व्यवसायियों/उद्यमियों को भाग लेने हेतु आमंत्रित कर नियत दिनांक को आयोजन में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करने की बात कही है। जिले के खनन व्यवसायियों/ उद्यमियों से आयोजित खनिज कान्क्लेव मे उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

## स्व. राजीव गांधी की मनाई गई जन्म जयंती

**अनूपपुर।** स्व. राजीव गांधी की जन्म जयंती वार्ड क्रमांक 12 में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष संध्या वर्मा के द्वारा मनाया गया जिसमें संध्या वर्मा ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर सूत के माला से माल्यार्पण किया साथ ही बुजुर्ग माता और बच्चों को मीठा खिलाकर जन्म जयंती मनाई। संध्या वर्मा ने कहा आधुनिक भारत की नीव रखने वाले भारत रत्न एवं भारत को त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को नमन किया गया।

## पान किसान एवं व्यापारी संगठन ने समस्याओं से कराया अवगत

**उमरियापान।** मप्र पान किसान एवं व्यापारी संगठन के प्रदेशाध्यक्ष बसंत चौरसिया के नेतृत्व में प्रदेश भर से पहुँचे संगठन से जुड़े लोगों व पान किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खंडेलवाल से मुलाकात की। फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया।पान किसान एवं व्यापारी संगठन के प्रदेशाध्यक्ष बसंत चौरसिया ने पान कृषक बोर्ड को अस्तित्व में लाने के साथ ही प्रदेश के पान किसानों व पान खेती में आने वाली विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।चौरसिया समाज को सत्ता एवं संगठन में भागीदारी दिये जाने सहित अन्य मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा।

26 पेटी मदिरा जब्त, आबकारी विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

# अवैध शराब के खिलाफ एसडीएम की बड़ी कार्रवाई

**उमरिया।** जिले में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है, लेकिन आबकारी विभाग की आंखों पर पट्टी बंधी है। ठेकेदारों के संरक्षण में धड़ल्ले से पैकारी (खुलेआम शराब बिक्री) की जा रही है। विभाग केवल खानापूर्ति कर अपनी पीठ थपथपाने में लगा है। हाल ही में पकड़ी गई 26 पेटी शराब किस ठेकेदार की थी, यह खुलासा होना चाहिए, लेकिन विभाग इसे दबाने की तैयारी में है। सवाल यह भी है कि आखिर आरोपी शिवकुमार तिवारी इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहां से लेकर आया और किसकी शह पर इसका परिवहन हो रहा था।

### एसडीएम की तत्परता से उजागर हुआ मामला

घटना 22 अगस्त की है, पाली के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अंबिकेश प्रताप सिंह अपने कार्यालय से निवास स्थान की ओर लौट रहे थे। इस दौरान स्वागत गेट मलियागुड़ा के पास एक बोलेरो क्रमांक सीजी 15 ए 8444 संदिग्ध हालत में दिखाई दी, जिसकी खिड़कियों पर काली फिल्म चढ़ी हुई थी। संदेह होने पर वाहन को रोका गया और चालक से पूछताछ की गई। चालक ने अपना नाम शिवकुमार तिवारी पिता रोहणी प्रसाद तिवारी निवासी पाली बताया। जब बोलेरो की तलाशी ली गई तो, उसमें 26 पेटी शराब पाई गई। इसमें 20 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब (175.68 बल्क लीटर) और 6 पेटी पावर 10000 कंपनी की बीयर (72 लीटर) थी। जब्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग 1,80,000 रुपये आंकी गई, जबकि बोलेरो वाहन की कीमत लगभग 6 लाख रुपये है। वाहन चालक कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। मौके पर पंचनामा तैयार कर आरोपी और वाहन पुलिस को सौंपा गया।

### पुलिस ने किया मामला दर्ज

एसडीएम की कार्रवाई के बाद थाना पाली पुलिस ने आरोपी शिवकुमार तिवारी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शराब कहां से लाई गई और कहां पहुंचाई जानी थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब जिले में घूमती रही और आबकारी विभाग को भनक तक नहीं लगी। यदि एसडीएम तत्परता नहीं दिखाते तो यह शराब आसानी से गंतव्य तक पहुंच जाती। यह पहली बार नहीं है जब जिले में अवैध शराब पकड़ी गई हो, लेकिन हर बार आबकारी विभाग छोटे-छोटे प्रकरण पकड़कर औपचारिक कार्रवाई करता है और बड़े नेटवर्क को बचा लेता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में शराब ठेकेदारों की शह पर पैकारी खुलेआम होती है।

### किस ठेकेदार की थी शराब?

26 पेटी शराब किस ठेकेदार की थी, यह बड़ा सवाल है। शराब का अवैध परिवहन बिना बड़े नेटवर्क और ठेकेदारों की संलिप्तता के संभव नहीं है। विभाग चाहे तो तुरंत इसका पता लगा सकता है कि यह स्टॉक कहां से उठा, लेकिन आने वाले दिनों में इस मामले पर पर्दा डालने की पूरी कोशिश होगी। इससे पहले भी ऐसे कई मामलों में ठेकेदारों और बड़े खिलाड़ियों तक जांच नहीं पहुंच पाई है।

### पैकारी पर रोक क्यों नहीं?

जिले में हर रोज खुलेआम पैकारी की जाती है। शराब दुकानें तय सीमा से अधिक समय तक खुली रहती हैं और दुकानों से बाहर भी बिक्री जारी रहती है। शराब माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बजाय आबकारी विभाग केवल नाममात्र की छापेमारी कर अखबारों की सुर्खियां बटोरता है। वहीं, पुलिस की जिम्मेदारी भी सीमित होती दिखती है।

### जिम्मेदार कौन?

जब भी अवैध शराब पकड़ी जाती है, तो आरोपी वाहन चालक या छोटे स्तर के लोग ही पकड़ाए जाते हैं। असली खिलाड़ी, यानी शराब ठेकेदार और नेटवर्क से जुड़े लोग बच निकलते हैं। क्या आबकारी विभाग और पुलिस इतनी सक्षम नहीं कि इस गोरखधंधे की जड़ तक पहुंच सके? या फिर मिलीभगत के चलते कार्रवाई का दायरा सीमित रखा जाता है? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिले में शराब माफियाओं ने जाल फैला रखा है। पैकारी से युवाओं और मजदूर वर्ग की कमाई बरबाद हो रही है। इसके बावजूद विभाग केवल कोरमपूर्ति तक ही सीमित है। यदि वास्तव में जिले से अवैध शराब के धंधे को खत्म करना है तो बड़े ठेकेदारों और उनके नेटवर्क पर सीधी कार्रवाई करनी होगी। पाली में एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह की कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि ईमानदार और सतर्क अधिकारी चाहें तो अवैध कारोबार को पकडऩा मुश्किल नहीं है।

## कलेक्टर ने मुक्तिधाम लालपुर का किया निरीक्षण

### कायाकल्प , साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

**उमरिया।** कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने लालपुर मुक्तिधाम का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होने मुक्तिधाम उमरिया का कायाकल्प करने, मुक्तिधाम में साफ सफाई व्यवस्था कराने, पार्किंग व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि जहां शव का दाह संस्कार किया जाता है, उसकी मरम्मत कराई जाए । बैठक व्यवस्था के लिए स्थाई कुर्सियां लगवाई जाए । उन्होने कहा कि बिगड़े हैंडपंप की मरम्मत कराई जाए, ताकि यहां तक आने वाले नागरिकों को पानी उपलब्ध हो सके । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मुक्तिधाम उमरिया में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आंवले का पौधरोपण भी किया एवं उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

## मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने ग्राम बिजौरी का किया भ्रमण

**उमरिया।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही एस चंदेल द्वारा ग्राम बिजौरी विकासखंड मानपुर का भ्रमण किया गया जिसमें उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजोरी में भ्रमण कर उपस्थित स्टाफ के साथ बैठक कर चर्चा की एवं दवाइयां व ओपीडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजेंद्र पटेल से स्टोर एवं दवाई की उपलब्धताओं की जानकारी ली गई साथ ही इतवारिया पति तिजू बाई ग्राम बिजौरी निवासी जो कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एडमिट थी उनके उपचार संबंधित जानकारी प्राप्त की एवं ओपीडी में बैठकर किशोरी रश्मि बी पिता मोहम्मद शाहिद उम्र 14 वर्ष की जांच उपचार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया गया। इसके पश्चात उल्टी दस्त प्रभावित क्षेत्र में भ्रमण कर ग्रामवासी राघवेंद्र सिंह के घर पर जाकर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया एवं उपस्थित परिवार जनों के साथ स्वास्थ्य के उपचार पर चर्चा की गई ।

ग्राम भ्रमण के दौरान ड्यूटी पर कार्यरत स्वास्थ्य विभाग की टीम का निरीक्षण किया एवं उपस्थित स्टाफ को ग्राम में सर्व एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की । उन्होंने बताया कि मानपुर में भर्ती मरीजों की स्थिति में सुधार है उन्होंने ग्राम वासियों को जागरुक करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में मुख्यतः ताजा भोजन एवं गर्म पानी पीने हेतु एवं रात्रि के समय मच्छरदानी का उपयोग करते हुए विश्राम करने हेतु बताया गया उन्होंने बताया कि उल्टी दस्त की शिकायतों पर तत्काल आशा कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजर एएनएम को जानकारी प्रदान करें ताकि समय रहते उपचार किया जा सके आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम के पास पर्याप्त मात्रा में दवाई उपलब्ध है । भ्रमण के दौरान प्रभारी डीसीएम रोहित सिंह बघेल डॉ. सुरेन्द्र पटेल, आर.एस. कुषवाहा, सेक्टर सुपरवाईजर, ब्रजभान सिंह एम.पी.डब्ल्यू. प्रियंका पटेल ए.एन.एम., सविता बैगा ए.एन.एम. एवं मंजूलता उपध्याया आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे । भ्रमण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री क्लिनिक गोवर्दे का निरीक्षण किया गया जहां पर स्टाफ उपस्थित पाया गया एवं क्लिनिक संचालित पाया गया।

## ग्रीन गणेश अभियान के तहत छात्राओं ने बनाए गोबर व मिट्टी के गणेश

**पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश**

**उमरिया।** ग्रीन गणेश अभियान पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन मध्य प्रदेश शासन के तत्वाधान में जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन पर युवा टीम उमरिया व लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट लाइफ वॉलिंटियर के द्वारा शासकीय कन्या विद्यालय बिरसिंहपुर पाली में ग्रीन गणेश अभियान एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें विद्यालय की छात्राओं ने अपने हाथों से गोबर व शुद्ध मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमा बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय की छात्राओं ने बड़ी संख्या में उत्साह से हिस्सा लिया और अपने हाथों से गणेश प्रतिमा का निर्माण किया। विद्यायल प्राचार्य रामशरण द्विवेदी ने विद्यार्थियों को ग्रीन गणेश बनाकर पर्यावरण एवं जल को प्रदूषित होने से बचाने के लिए जागरूक किया।तथा कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। विभिन्न वॉलंटियर्स ने कार्यशाला में प्रतिभागियों को अभियान के उद्देश्यों से परिचित कराते हुए पर्यावरण प्रदूषण के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी व मूर्ति को प्राकृतिक रंगो से सजाने के साथ उनका विसर्जन घर पर ही करने का संकल्प लेने हेतु प्रेरित भी किया। साथ ही यह भी आग्रह किया कि प्लास्टर ऑफ पेरिस तथा रासायनिक रंगों से निर्मित प्रतिमाओं का उपयोग न करें इसके स्थान पर मिट्टी से बनी प्रतिमाओं की स्थापना करें और उनका विसर्जन भी घर पर ही करें। इससे हमारे जलीय निकाय प्रदूषित नहीं होंगे।पर्यावरणीय जागरूकता के इस कार्यक्रम में आए प्रतिभागियों ने इसे सराहनीय प्रयास बताया।इस दौरान विद्यालय प्रभारी प्राचार्य ममता बिल्थरे, पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी,शिखा बर्मन , निहारिका सिंह, अभिनव द्विवेदी, सौरभ पांडे,विद्यालय की छात्राएं व सभी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के समापन में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित भी किया गया।

# पर्यावरण संरक्षण हेतु इको फ्रेंडली मूर्तियां करें स्थापित : कलेक्टर

**कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न**

**उमरिया।** जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू की उपस्थिति में संपन्न हुई । बैठक में गणेश चतुर्थी, अनंत चतुदर्शी, डोल ग्यारस तथा मिलाद उन नबी का पर्व आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील जिलेवासियों से की गई। बैठक में बताया गया कि 27 अगस्त को गणेश जी की स्थापना की जानी है । यह पर्व 10 दिनों तक चलेगा । इसके साथ ही 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी का विसर्जन होगा । कलेक्टर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हेतु इको फ्रेंडली मूर्तियां स्थापित की जाए । पूजा पंडाल इस तरह से बनाया जाए कि आवागमन बाधित नही हो । पंडालो के सुरक्षा व्यवस्था की जवाबदारी आयोजको की होगी । पंडालो में रेत एवं पानी रखा जाए । पंडालो में सुरक्षा हेतु रात में दो व्यक्तियों के रूकने की व्यवस्था की जाए। आयोजक व्दारा पंडालो में विद्युत व्यवस्था के लिए बिजली विभाग से कनेक्शन लिए जाए। इसी तरह गणेश प्रतिमाओं का चल समारोह मंगल भवन एवं बस स्टैंड से प्रारंभ होगा । उन्होने कहा कि निर्धारित समय पर मूर्तियों का एकत्रीकरण किया जाए तथा निर्धारित मार्गो से होते हुए मूर्तियां विसर्जन कुंड तक पहुंचेगी जहां पर विधि विधान के साथ मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा । विसर्जन कुंडो पर होमगार्ड, गोताखोरो की व्यवस्था की जाएगी, विसर्जन व्दार छोडक़र कुंड के चारो तरफ रस्सी बांधकर रखी जाए । पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाए। चल समारोह के दौरान डीजे की ध्वनि निर्धारित ध्वनि स्तर पर बजाया जाए। चल समारोह में अस्त्र , शस्त्र लेकर तथा नशे की हालत में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाय गया है। समिति ने आयोजकों से अनंत चतुर्दशी के दिन ही विसर्जन करने का आग्रह किया है। उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा कि नगर का भ्रमण करके आवश्यक साफ सफाई, गांधी चौक, खलेसर मार्ग एवं पुराना पड़ाव तक की सडक़ से वेंडरों को हटाने की कार्यवाही सुसंगत स्थल पर कराई जाए । इसके साथ ही सडक़ो के मुरमीकरण, डामरीकरण कराने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोनिवि को निर्देश दिए गए। प्रकाश व्यवस्था के लिए कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि नगर का भ्रमण किया जाए , इस दौरान ऐसे ट्रांसफार्मर जो सुधारने योग्य है , उसे अविलंब सुधारा जाए । उन्होने कोयलारी तालाब पर प्रकाश व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि मिलाद उन नबी का पर्व 5 सितंबर को मनाया जाएगा । मिलाद उन नबी के अवसर पर सामुदायिक भवन उमरिया में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें 4 अगस्त को महिलाओ व्दारा कार्यक्रम आयोजित होगा तथा 5 अगस्त को कव्वाली का कार्यक्रम नियत किया गया है । कलेक्टर ने कहा कि जुलूस निर्धारित स्थलों से निकाला जाए। उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से कहा कि निर्धारित मार्गो की साफ सफाई कराई जाए । बैठक मे डोल ग्यारस पर्व के संबंध में चर्चा की गई । पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने कहा कि त्योहारो के दौरान किसी भी स्थिति में साम्प्रदायिक सौहार्द नहीं बिगड़े। त्योहारो पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। किसी प्रकार की सूचना पर मिलने पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक व्दारा दिए जाएंगे। उन्होने कहा कि थाना स्तर पर भी शांति समिति की बैठकों का आयोजन किया जाकर आम नागरिकों से त्योहारो को शांति पूर्ण तरीके से मनाने की अपील की जाए । कानून व्यवस्था के लिए अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों समस्त अपने अपने क्षेत्र में शांति समिति का बैठक करके शांति व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, एसडीओपी नागेन्द्र सिंह, शांति समिति के सदस्य अजय सिंह, राजेश शर्मा, धनुषधारी सिंह, मेंहदी हसन, पुष्पराज सिंह, मो असलम शेर, शेख अफजल, मो0 आजाद, कृष्णकांत तिवारी, मो0 असलम, मो0 इदरीश खान, मो0 अल्ताफ , अफसरअली राही, शंभू लाल खट्टर उपस्थित रहे।

# जैतहरी के ऐतिहासिक धरोहर को मिलेगा नया स्वरूप

### रानी तालाब सौंदर्यीकरण का भूमि पूजन सम्पन्न

**हरिभूमि न्यूज जैतहरी।** नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 15 में स्थित ऐतिहासिक ''रानी तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन'' किया गया। यह परियोजना नगर परिषद की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य नगर की धरोहरों का संरक्षण करते हुए नागरिकों को बेहतर और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। भूमि पूजन नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रानी तालाब नगर का गौरव है और इसके सौंदर्यीकरण से नगर की पहचान और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि तालाब के किनारों का विकास, प्रकाश व्यवस्था, गार्डन, बैठने की सुविधाएं और सुरक्षा दीवार का निर्माण किया जाएगा, जिससे यह स्थल नगरवासियों के लिए एक आकर्षक पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बनेगा। इस अवसर पर पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि नगर परिषद द्वारा यह एक ऐतिहासिक कदम है। नगर की संस्कृति और पहचान को सुरक्षित रखते हुए विकास कार्य करना हमारी प्राथमिकता है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि कार्य तय समय सीमा में पूरा किया जाएगा। इसके तहत तालाब की सफाई, पिच मार्ग, गार्डन, सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष रविंद्र राठौर, नाथूराम राठौर, वार्ड 15 की पार्षद सविता राठौर, वार्ड 7 की पार्षद सुनीता जैन, वार्ड 3 के पार्षद ऋषभ लहंगीर, वरिष्ठ नेता सिद्धार्थ सिंह (राजा भैया), कैलाश मरावी (सभापति), लक्ष्मी नारायण शुक्ला, अशोक राठौर, शेख अब्दुल जलील, नरेश नापित, दिनेश निषाद, मोहम्मद हुसैन बोहरा, बृजेंद्र रजक,लाल प्रताप राठौर,मनीष गुप्ता, राहुल गुप्ता,भोले राठौर ,कृष्णकांत द्विवेदी, ईश्वरदीन राठौर,बाबूराम राठौर,अमन द्विवेदी,पोषण लाल राठौर,दीनदयाल राठौर, मोतीराम राठौर, संजू बैगा, धनराज राठौर, विष्णु राठौर, रूपेश नापित, राजू राठौर, कौशल प्रसाद नापित, मिठाई लाल बैगा, परनू बैगा, राजेश राठौर, राम सिंह राठौर, बुद्ध सेन राठौर, ओमकार नापित सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

## खबर संक्षेप

### राष्ट्रीय यूसीमास अबेकस प्रतियोगिता में शहडोल के छात्रों ने दिखाया कमाल

**शहडोल।** हैदराबाद में आयोजित 24वीं राष्ट्रीय यूसीमास अबेकस एंड मेन्टल अर्थमेटिक प्रतियोगिता में जिले के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार जीते और मेरिट सूची में स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता 16 एवं 17 अगस्त को आयोजित हुई, जिसमें देश के 24 राज्यों से 4000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिले की ओर से प्रतिभागियों ने कठिन से कठिन गणितीय सवाल पलक झपकते ही केवल उंगलियों की मदद से हल कर दर्शकों और निर्णायकों को चकित कर दिया। आकर्ष पटेल, अथर्व खंडेलिया और शर्विल तिवारी ने तीसरे रनरअप का खिताब अपने नाम किया, जबकि पार्थ पांडे पांचवें रनरअप बने। वहीं सूर्यादित्य सिंह, संकल्प तिवारी और अभिनीत श्रीवास्तव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफलता पाई। ध्रुव गुप्ता एवं प्रतिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में गणित के प्रति रुचि जगाना और उन्हें गणनाओं में दक्ष बनाना है। अबेकस की तकनीक से बच्चे जटिल जोड़, घटाव, गुणा और भाग को कुछ ही क्षणों में हल कर लेते हैं, जिससे न केवल उनकी मानसिक क्षमता का विकास होता है बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। जिले के छात्रों की इस उपलब्धि ने शहडोल का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता से लौटे विजेता बच्चों का स्वागत कर अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

# मध्य प्रदेश में संचालित 108 जननी एक्सप्रेस दम तोड़ रही है देखने सुनने वाला कोई नहीं है

**शहडोल।** पूरे मध्य प्रदेश सहित शहडोल जिले में जय अंबे इमरजेंसी कंपनी द्वारा 108 इमरजेंसी एवं जनानी वहां का अपने ऊपर लिया था तब से यह कंपनी चर्चा में बनी हुई है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह कंपनी का रेट देख जय अंबे इमरजेंसी कंपनी भोपाल से संचालन किया जा रहा है जो पूरे मध्य प्रदेश में चल रही है इसके संचालन कर रहे मनीष सिंह एवं इसकी रेट देखकर रही मधु मैडम के नाम से जानी जा रही है यह दोनों व्यक्ति 108 में एजेंसी अपने अंदर पर रखकर चला रहे हैं पूरे मध्य प्रदेश में संचालित कर रही इस योजना को कालिक लग रहे हैं ना तो समय पर मरीजों को लाभ मिल पा रहा है ना ही उनके स्टाफ इसे संतुष्ट हैं चाहे एमटी हो या फिर इनके पायलट भी सुरक्षित नहीं है तो यह आम नागरिक को कैसे समय पर इलाज दे पाएंगे जब से यह कंपनी इसका जिम्मा अपने ऊपर ली है जब से कुछ ना कुछ सुनने एवं देखने को मिल ही जाता है कितने करोड़ का रोड टैक्स बकाया है इसके ऊपर एजेंसियों में गाड़ी खड़ी है समय पर पेमेंट ना होने के कारण वह गाड़ी बाहर रोड पर जनता की सेवा नहीं कर पा रही हैं क्या मोहन सरकार इस कंपनी को ठेका देते समय यह भी कहा था कि आप अपनी गाड़ियां एजेंसी में ज्यादा खड़ी रखना उसकी पेमेंट मैं करूंगा या फिर एचएम विभाग से करवाऊंगी पूरे मध्य प्रदेश में एक और देखा जाए तो 80 परसेंट गाड़ियां एजेंसी की शोभा बढ़ा रही हैं जनता को मात्र 20% गाड़ियां उपलब्ध हो पाती हैं वह भी बड़ी मशक्कत करने के बाद होती तो हैं यह गारंटी नहीं रहती है कि मेरी समय पर अपने गणतंत्र स्थान पर पहुंच पाएगा जो भी बची हुई गाड़ियां चल रही हैं उसमें ना तो स्टेफनी दी जाती है और ना ही सही

सलामत टायर दिए जा रहे हैं 108 की जांच की जाए तो किसी गाड़ियों में स्टेफनी नहीं मिलेगी मिलती भी है तो स्टॉप अपने हिसाब से स्टेपनी मैनेज कर लेता है उसकी भी पेमेंट ऊपर से यह लोग नहीं दे रहे हैं पूरे मध्यप्रदेश की भोली भाली जनता पत्र के माध्यम से मध्य प्रदेश में संचालित बीजेपी सरकार से यह मांग करती है कि ऐसे ब्रेस्ट कंपनी को तत्काल मध्य प्रदेश सुखालकर बाहर फेंक दिया जाए ताकि जनता और सरकार के बीच आपसी मतभेद पैदा ना हो सके और समय रहते ऐसी कंपनी को ठेका दिया जाए जो इस योजना को हितग्राहियों के बीच बराबर पहुंच सके और साथ ही अपने स्टाफ का भी ध्यान रखें एजेंसियों में बराबर काम न होने के कारण यदि गाड़ियां एक्सीडेंट होती है तो पूरा जिम पायलट के ऊपर मनीष सिंह एवं hr1 मैडम मधु रख देती है शुरू में तो उसको कहेंगे की गाड़ी बन जाएगी ड्यूटी देंगे यदि गाड़ी बन जाती है तो उसे पायलट को ड्यूटी नहीं मिल जाती है बेचारा इतने साल उनके कंपनी में काम किया इनका सहयोग किया इमरजेंसी वहां के माध्यम से जनता की सेवा की लास्ट में उसको मिलता क्या है वह बैठ जाता होल्ड करके घर बैठा देते हैं मध्य प्रदेश के पूरे कलेक्टर एवं समस्त विधायकों से पत्र के माध्यम से भोली भाली जनता यह मन कर रही है कि ऐसे भ्रष्ट कंपनियों को सब जल्द से जल्द बाहर का रास्ता दिखा दिया जाए या फिर इनके द्वारा प्रताड़ित स्टाफ को जल्द से जल्द वापस कर ड्यूटी में बैठाया जाए ताकि उनके परिवार का भरण पोषण करने में कठिनाई न हो अब देखना देखना यह है कि समय रहते मध्य प्रदेश सरकार ऐसी कंपनी के ऊपर सर्च कार्यवाही करती है या फिर वह भी मुख दर्शन बनकर तमाशा देखती रहेगी और मधु एवं मनीष स्टाफ का खून एवं मरीज की लाचारी से खेलते रहेंगे और अपनी जेब गर्म करते रहेंगे या फिर मध्यप्रदेश सरकार इनके ऊपर कठोर कार्रवाई करेगी या नहीं।

# स्वास्थ्य विभाग में फर्जीवाड़ा उजागर

### बुढ़ार के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर विवेक बर्मन पर गंभीर आरोप

**शहडोल।** जिले के स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का काला खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरकारी योजनाओं की राशि को अपने निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल करने वाले अफसर और कर्मचारी लगातार विभाग की छवि धूमिल कर रहे हैं। ताजा मामला बुढ़ार विकासखंड का है, जहां पदस्थ ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर विवेक बर्मन पर फर्जी बिल लगाकर लाखों रुपये की सरकारी राशि का घपला करने का गंभीर आरोप लगा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जारी पत्र ने इस मामले की पुष्टि कर दी है। पत्र में उल्लेख है कि गैर-संचारी रोग (एनसीडी) स्क्रीनिंग के तहत 30 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के 65,254 व्यक्तियों की जांच की गई। इसके लिए विभाग को लगभग 1,99,250 की राशि स्वीकृत थी, लेकिन विभागीय दस्तावेजों और पोर्टल पर डाले गए आंकड़ों के अनुसार विभिन्न मदों में 7,28,750 का भुगतान दर्शाया गया। यह सीधा-सीधा लाखों रुपये की फर्जी बिलिंग और सरकारी खजाने की लूट का संकेत देता है।

### कैसे हुआ फर्जीवाड़ा

पत्र के अनुसार स्क्रीनिंग कार्य की वास्तविक लागत और पोर्टल पर दर्शाई गई राशि में भारी अंतर पाया गया। कई मदों में जानबूझकर अधिक भुगतान दर्शाया गया, जिससे यह रकम सीधे-सीधे ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर विवेक बर्मन की जिम्मेदारी वाले कार्यों से जुड़ी हुई मानी जा रही है। विभाग ने इस मामले पर सवाल उठाते हुए बर्मन से स्पष्टीकरण मांगा है। हालांकि सवाल यह है कि क्या केवल स्पष्टीकरण मांग लेने से इतने बड़े फर्जीवाड़े की लीपापोती हो जाएगी या फिर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

### सरकार की मंशा पर पानी

स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचाना और गंभीर बीमारियों की शुरुआती पहचान करना है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार करोड़ों की राशि स्वास्थ्य मिशन पर खर्च कर रही हैं। लेकिन भ्रष्टाचार की दलदल में फंसे कर्मचारी और अफसर योजनाओं की जड़ ही काट रहे हैं। बुढ़ार में विवेक बर्मन का मामला इसका जीता-जागता उदाहरण है। यदि पुराने रिकॉर्ड की जांच की जाए तो करोड़ों रुपये की गड़बड़ी और फर्जी बिलिंग का खुलासा हो सकता है।

### पांच साल से एक ही जगह पदस्थ

नियमों के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों का समय-समय पर स्थानांतरण होना चाहिए, ताकि कार्यप्रणाली पारदर्शी बनी रहे। लेकिन बुढ़ार में विवेक बर्मन पिछले पाँच वर्षों से जमे हुए हैं। लंबे समय तक एक ही पद पर बने रहने से उन्होंने ऐसा नेटवर्क तैयार कर लिया, जिसमें शासकीय राशि को फर्जी बिलों के माध्यम से हड़पने की शिकायतें लगातार बढ़ती गईं। इस स्थिति ने स्पष्ट कर दिया है कि स्थानांतरण नीति की अनदेखी ने भ्रष्टाचार को और मजबूत किया है।

### जांच की सख्त मांग

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पत्र में साफ लिखा है कि स्क्रीनिंग कार्य में गड़बड़ी से ?7,28,750 की हानि हुई है। सवाल यह है कि आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या विभाग महज स्पष्टीकरण मांगकर मामले को रफा-दफा कर देगा या फिर भ्रष्टाचार की जड़ तक पहुँचकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेगा? विभागीय सूत्रों का मानना है कि यदि बर्मन के पिछले पाँच सालों के पूरे कार्यकाल की वित्तीय जांच कराई जाए तो करोड़ों रुपये के घोटाले का पर्दाफाश हो सकता है।

### जनता के साथ विश्वासघात

सरकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर बैठा भ्रष्ट तंत्र न केवल इन योजनाओं की मंशा पर पानी फेर रहा है, बल्कि आमजन के साथ विश्वासघात भी कर रहा है। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि क्या विभाग इन मामलों पर वास्तव में कठोर रुख अपनाएगा या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह धूल फांकता रह जाएगा। जिले के जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी और स्थानांतरण नीति का सख्ती से पालन नहीं किया जाएगा, तब तक स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी होती जाएंगी।

## खिलवाड़: ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहा मौत का व्यवसाय

**मानपुर।** नगर से सटे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत बिजौरी क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में झोलाछाप डॉक्टरों का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। ग्रामीणों की मजबूरी और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते यह अवैध चिकित्सा धंधा मौत का कारोबार बन चुका है। चाय-नाश्ते की दुकानों जैसी गुमटियों में बैठे ये फर्जी डॉक्टर हर बीमारी का इलाज करने को तैयार रहते हैं। उल्टी-दस्त, खांसी-बुखार से लेकर गंभीर रोग तक, सबका इलाज बिना योग्यता और बिना पंजीयन के किया जा रहा है।

### जगह-जगह संचालित अवैध क्लीनिक

बिजौरी, बांधवगढ़ ताला, पटेहरा, बलहौड, हरदुआ, गोवर्दे और आसपास के दर्जनों गांवों में बंगाली डॉक्टरों व अन्य फर्जी चिकित्सकों द्वारा अवैध क्लीनिक खुलेआम संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई क्लीनिक मकानों में चल रहे हैं जहां न केवल इलाज बल्कि ऑपरेशन, खून जांच और अन्य टेस्ट तक किए जा रहे हैं। ताला में डॉक्टर गांगुली (कोलकाता निवासी), देवरी में संदीप साना, बिजौरी में विनय राय और उमरिया के डोभा सोमू बंगाली जैसे कई नाम ग्रामीणों की मजबूरी का फायदा उठाकर धंधा कर रहे हैं।

### दवाओ का अवैध भंडारण

ये झोलाछाप न केवल इलाज करते हैं बल्कि बिना ड्रग लाइसेंस दवाओं का भंडारण और बिक्री भी करते हैं। दुकानों के भीतर कार्टून भर दवाइयां रखी जाती हैं। मौसमी बीमारियों के चलते इन दिनों इनकी दुकानों पर मरीजों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। इलाज का तरीका भी खतरनाक—बीमारी चाहे जो हो, शुरुआत ग्लूकोज की बोतल लगाने से होती है। एक बोतल चढ़ाने की कीमत 200 से 400 रुपये तक वसूली जाती है, जबकि इंजेक्शन और दवाओं के साथ गरीब मरीजों से 1500 से ज्यादा ठगे जा रहे हैं।

### केस बिगडने पर अस्पताल का रास्ता

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मरीजों की हालत खराब हो जाती है, तब इन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल रेफर किया जाता है।

फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर 'फ्रूट ऐड' या 'दंत चिकित्सक' बनकर ग्रामीणों को गुमराह कर रहे हैं। कई झोलाछाप डॉक्टरों ने अपने क्लीनिक में ब्लड टेस्ट और यूरिन जांच तक की व्यवस्था कर ली है।

### स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी

ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का सीधा फायदा झोलाछाप डॉक्टर उठा रहे हैं। कलेक्टर और जिला स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायतें मिलने के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हाल ही में मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा लेने के बाद एक मरीज की मौत भी हो चुकी है, लेकिन विभाग ने केवल कोरमपूर्ति की।

### ग्रामीणों की मजबूरी और शासन की योजनाएं

प्रदेश सरकार ने प्रत्येक सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त दवा वितरण की व्यवस्था कर रखी है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। सुविधाओं की कमी और स्वास्थ्य विभाग की ढिलाई के कारण ग्रामीणों को झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाना मजबूरी बन चुका है। जनअपेक्षाः ग्रामीणजन जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग कर रहे हैं कि इन अवैध क्लीनिकों और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे इस 'मौत के कारोबार' पर नकेल कसी जा सके।

## पंचायत सचिव नियुक्ति में फर्जी दस्तावेज़ों का खेल

**पुलिस अधीक्षक से की गई एफआईआर दर्ज करने की मांग**

**शहडोल।** जिले के बुढ़ार जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत झिरिया में पंचायत सचिव के पद पर नियुक्ति को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। प्राप्त शिकायत पत्र के अनुसार, हेमलता शर्मा पत्नी रमेश शर्मा, निवासी सिझौरा, ने पंचायत सचिव के पद पर नियुक्ति पाने के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेजों में हेराफेरी की है। शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक शहडोल को लिखित आवेदन सौंपते हुए मामले की जांच कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

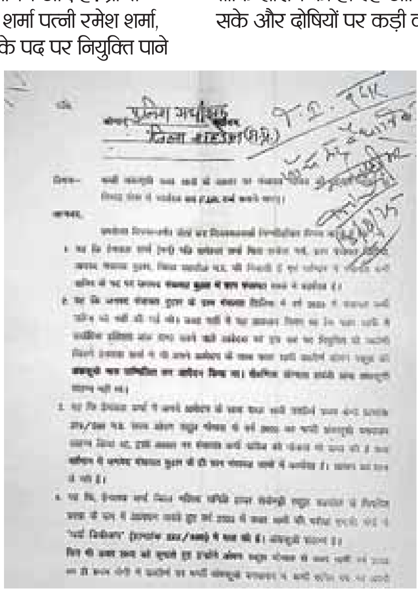
पुलिस अधीक्षक
जिला शहडोल (म.प्र.)

### मामला कैसे सामने आया?

शिकायत में कहा गया है कि हेमलता शर्मा वर्ष 2009 में पंचायत सचिव पद पर नियुक्त हुई थीं। इस पद के लिए शासन के नियमों के अनुसार न्यूनतम योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य थी। हेमलता शर्मा ने आवेदन के साथ प्रस्तुत अंकसूची में कक्षा 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होने का दावा किया था। लेकिन शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रस्तुत अंकसूची जाली है और इसी के आधार पर उन्होंने नियुक्ति प्राप्त कर ली।

### विवादित अंकसूची और वास्तविक परिणाम

आवेदन पत्र के साथ संलग्न दस्तावेजों के अनुसार, हेमलता शर्मा ने दावा किया था कि उन्होंने वर्ष 2003 में माध्यमिक शिक्षा मंडल से कक्षा 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। लेकिन अंकसूची में प्रदर्शित अंकों (222/500) के आधार पर स्पष्ट होता है कि वे 'फर्स्ट डिवीजन' की बजाय 'थर्ड डिवीजन' से पास हुई थीं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने इस तथ्य को छुपाते हुए अपनी अंकसूची में गलत विवरण पेश किया और उच्च अंक दिखाकर धोखाधड़ी की।

### शिकायत में किए गए प्रमुख आरोप

फर्जी अंकसूची का उपयोगः हेमलता शर्मा ने वर्ष 2003 की 10वीं की अंकसूची में हेराफेरी की और वास्तविक परिणाम को छिपाया।शैक्षणिक योग्यता पर संदेहः नियमों के अनुसार कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य था, लेकिन प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच से यह तथ्य संदेहास्पद है। भ्रामक जानकारी के आधार पर नौकरीः फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पंचायत सचिव जैसी जिम्मेदार पद पर नियुक्ति प्राप्त की गई।आर्थिक लाभः इस पद पर वर्षों से नौकरी करते हुए शासन का वेतन और अन्य सुविधाएं प्राप्त कर रही हैं, जो अवैध है।

### शिकायतकर्ता की मांग

शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया है कि यदि हेमलता शर्मा के दस्तावेजों की सच्चाई की जांच की जाए तो फर्जीवाड़ा साबित होगा। उन्होंने पुलिस अधीक्षक शहडोल से आग्रह किया है कि मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, ताकि शासन को हो रहे आर्थिक नुकसान की भरपाई हो सके और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

### शिक्षा विभाग और एनपी बोर्ड की भूमिका

शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि शिक्षा विभाग एवं एनपी बोर्ड ने कभी भी इस प्रकार की अंकसूची जारी नहीं की है, जैसा कि हेमलता शर्मा ने प्रस्तुत किया। यदि कोई छात्र परीक्षा में थर्ड डिवीजन से पास होता है तो उसे प्रथम श्रेणी का प्रमाणपत्र नहीं दिया जा सकता। ऐसे में प्रस्तुत दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

### नियुक्ति प्रक्रिया पर उठे सवाल

गौरतलब है कि पंचायत सचिव की नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान प्रमाणपत्रों की जांच की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों पर होती है। लेकिन इस मामले में संभवतः जांच के दौरान गंभीर लापरवाही हुई है। यदि सही तरीके से दस्तावेजों का सत्यापन हुआ होता तो फर्जीवाड़े का पर्दाफाश पहले ही हो जाता। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराई जाए और फर्जी अंकसूची के आधार पर की गई नियुक्ति को रद्द किया जाए। साथ ही अब तक प्राप्त वेतन और सुविधाओं की रिकवरी भी की जाए।

### स्थानीय स्तर पर चर्चा

ग्राम पंचायत स्तर पर यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचायत सचिव के पद पर बैठा व्यक्ति ही फर्जी दस्तावेजों के सहारे नियुक्त होगा तो शासन की योजनाओं और आम जनता के कामकाज पर गंभीर असर पड़ेगा। फर्जी दस्तावेजों के सहारे शासन की सेवा में प्रवेश न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि यह सीधा-सीधा धोखाधड़ी का मामला भी है। यदि आरोप सही साबित होते हैं तो यह सिर्फ पंचायत सचिव पद की साख को ही धक्का नहीं पहुंचाएगा बल्कि पूरे पंचायत राज व्यवस्था पर सवाल खड़े करेगा। शिकायतकर्ता ने इस पूरे प्रकरण को शासन-प्रशासन के संज्ञान में लाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि पुलिस अधीक्षक शहडोल इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाते हैं और क्या दोषियों के खिलाफ कानूनन कार्रवाई हो पाएगी।

# शहडोल में मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

### स्कूल बने तालाब, शिक्षा विभाग की लापरवाही उजागर

**शहडोल।** जिले में बीती रात हुई अचानक मूसलधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। नगर की सडक़ों पर नदियां बहने लगीं, नालियों का पानी घरों में घुस गया और वार्ड क्रमांक 17 स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला धनपुरी नंबर बाजार तालाब में तब्दील हो गई। बारिश ने न केवल प्रशासन बल्कि शिक्षा विभाग की भी पोल खोलकर रख दी, जहां मासूम छात्र घुटनों-घुटनों पानी से होकर जान जोखिम में डालकर स्कूल आने-जाने को मजबूर हैं। बारिश के बाद हालात इतने बिगड़े कि विद्यालय परिसर में घुटनों तक पानी भर गया। छोटे-छोटे बच्चों को भीगते हुए और पानी में फिसलने की आशंका के बीच स्कूल पहुंचना पड़ा। किसी भी पल यह स्थिति किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। यह नजारा बताता है कि शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन ने जल निकासी व सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति की है।

### हर बारिश में तालाब बन जाता है स्कूल

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। हर वर्ष, हर बारिश में यही हालात बनते हैं और स्कूल तालाब का रूप ले लेता है।

जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है, न ही शिक्षा विभाग ने कभी बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता दिखाई। नतीजा यह है कि नन्हें मासूमों को जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने जाना पड़ता है।

### शिक्षा विभाग की अनदेखी

सवाल यह है कि शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी क्या कभी इस विद्यालय का निरीक्षण करते हैं? यदि करते, तो यह हालात बार-बार क्यों दोहराए जाते हैं? बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा देना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन शहडोल का यह नजारा विभाग की संवेदनहीनता को उजागर करता है। मूसलधार बारिश ने यह साफ कर दिया है कि विभाग केवल बैठकों और कागजी योजनाओं तक ही सीमित है।

### बच्चे बने हादसों के शिकार बनने की कगार पर

बाढ़ जैसे हालात में स्कूल जाने वाले बच्चे हर कदम पर हादसों का सामना कर सकते हैं। फिसलकर गिरना, पानी में बह जाना या गंदे पानी से बीमार होना - यह सब किसी भी समय हो सकता है। अभिभावकों का कहना है कि वे हर रोज अपने बच्चों को डर के साए में स्कूल भेजते हैं। आखिर सवाल यह है कि क्या शिक्षा विभाग बच्चों की जान जोखिम में डालकर ही उन्हें पढ़ाई कराएगा?

### नगर की बदहाल नालियां और जलभराव

मूसलधार बारिश ने नगर की बदहाल नालियों और जलभराव की सच्चाई सामने ला दी है। प्रशासन की अनदेखी और वर्षों से टालमटोल रवैये के कारण बारिश होते ही सडक़ें नदी और गली-मोहल्ले तालाब में बदल जाते हैं। इससे न केवल आमजन परेशान होता है बल्कि सरकारी स्कूलों जैसे महत्वपूर्ण संस्थान भी डूब जाते हैं।

### प्रशासन और शिक्षा विभाग पर सवाल

लोगों का कहना है कि प्रशासन और शिक्षा विभाग की उदासीनता के कारण हर साल यही हालात बनते हैं। जिम्मेदार अधिकारी न तो स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाते हैं और न ही बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। आखिर क्यों हर बारिश के बाद बच्चे ऐसे हालात में पढऩे को मजबूर किए जाते हैं?

### जांच और ठोस कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने इस मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि शिक्षा विभाग केवल योजनाओं और घोषणाओं तक सीमित है, जमीनी स्तर पर किसी भी प्रकार का सुधार नहीं दिखता। यदि तत्काल व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो किसी दिन यह लापरवाही किसी बड़े हादसे में बदल सकती है।

**खबर संक्षेप**

## अमरकंटक के कपिला संगम क्षेत्र में अवैध निर्माण पर प्रशासन की कार्यवाही

**अनूपपुर।** कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में आज नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 8 कपिला संगम क्षेत्र में झुग्गी, झोपड़ियों एवं अवैध निर्माणों पर प्रभावी कार्यवाही की गई। यह अभियान नगर को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। कार्यवाही के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमरकंटक चैन सिंह परस्ते, नायब तहसीलदार कौशलेंद्र शंकर मिश्रा, नगर परिषद एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। टीम ने समन्वय के साथ झुग्गी, झोपड़ियों को हटाते हुए अवैध निर्माणों को ध्वस्त कराया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि वे नगर की स्वच्छता एवं सौंदर्य बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण से परहेज करें।

## अनूपपुर उपकेन्द्र के विभिन्न फीडरों में कल विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

**अनूपपुर।** म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि उपसंभाग अनूपपुर अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोतमा रोड अनूपपुर में मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इस कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु 24 अगस्त को 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र अनूपपुर से निकलने वाली 11 के.व्ही. जमुड़ी, अनूपपुर टाउन, मॉडल, कलेक्ट्रेट, सोनमौहरी, ओल्ड बम्हनी एवं परसवार फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां विद्युत आपूर्ति प्रातः 8 बजे से प्रातः 11 बजे तक अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

## इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की मतदाता सूची का प्रकाशन 25 को

**अनूपपुर।** इंडियन रेड क्रास सोसायटी शाखा अनूपपुर के सोसायटी का गठन होना है। जिसके तारतम्य में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के जिला सचिव डॉ. देवेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया है कि सोसायटी के मतदाता सूची का प्रकाशन 25 अगस्त को किया जाएगा एवं दावा आपत्ति 30 अगस्त दोपहर 3 बजे तक स्वीकार किया जा सकेगा। सचिव ने बताया कि सूची का अवलोकन निर्धारित तिथि एवं समय पर कार्यालय सिविल सर्जन प्रथम तल जिला चिकित्सालय अनूपपुर मे किया जा सकेगा तथा दावा एवं आपत्ति भी निर्धारित तिथि एवं समय तक स्वीकार किए जा सकेंगे।

## विकासखंड अनूपपुर में हुआ माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान का प्रशिक्षण

**अनूपपुर।** मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मप्र जन अभियान परिषद व नर्मदा समग्र के संयुक्त प्रयास से प्रदेश भर में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से चलाए जारहे माटी के गणेश सिद्ध गणेश अभियान के तहत जनपद पंचायत बदरा के सभागार में मिट्टी के गणेश जी बनाने का प्रशिक्षण जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समिति सदस्यों, सी एम सी एल ड़ी पी छात्रो, नवांकुर संस्थाओ, परामर्शदाताओं को प्रदान किया गया इस दौरान जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय, जनपद पंचायत अनूपपुर के सीईओ, बीड़ीओ व जनपद पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला समन्वयक ने बताया कि बाजार में मिलने वाली प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्ति पानी मे गलती नहीं है व उसमे मिले हुए केमिकल भी नदी के जल को प्रदूषित करते है। अतः पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से मिट्टी के गणेश जी का इस वर्ष सभी लोग निर्माण करे व विसर्जन करे ताकि पर्यवारण संरक्षण हो सके। सीईओ जनपद ने कहा कि परिषद का यह प्रयास निश्चित ही प्रशंसनीय है। हम सब को मिलकर इसमे सहभागिता करनी चाहिए इसलिए मैने भी माटी के गणेश जी बनाने का प्रशिक्षण यहां से प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण का अर्थ तभी सिद्ध होगा जब इसे हम जमीन में उतारें व प्रत्येक व्यक्ति को माटी के गणेश जी विराजने की प्रेरणा दें सभी लोगों ने विद्यालयीन छात्रो को भी इसका प्रशिक्षण प्रदान करने के संकल्प के साथ शपथ लेकर कार्यक्रम को समाप्त किया।

जिले मे किसानों को रूला रही खाद

# दर-दर भटक रहे अन्नदाता, खाद की किल्लत से किसान निराश

### डिमांड और सप्लाई में जमीन आसमान का अंतर
### गोदामों के आगे किसानों की लंबी-लंबी कतारें

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** यह पहला साल नहीं हैं जब जिले में खाद की किल्लत हो रही है। रबी सीजन हो या खरीफ सीजन हर बार, हर साल किसान खाद के लिए मारामारी करता है, लंबी लाइन लगाता है, कई दिन इंतजार करता है और नतीजा ये रहता है कि किसान को यदि खाद मिल भी जाती है तो उसे जितनी चाहिए उतनी नहीं। मजबूरन किसान दोगुने दामों में बाजार से खाद खरीदता है। इधर खाद व्यापारी भी कालाबाजारी करने से नहीं चूकते। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि देश के लिए अन्न उगाने वाले अन्नदाता को समय पर पर्याप्त खाद नहीं मिल पा रहा। इन दिनों पूरे जिले मे खाद की मारामारी है। किसान खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं। जिला मुख्यालय अनूपपुर ही ऐसा इकलौता केन्द्र नहीं है जहां किसानों को खाद के लिए लंबी कतारों के साथ कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा हो। इसके अलावा जिले के अन्य वितरण केन्द्रों मे भी किसान खाद के लिए परेशान हैं जहां खाद के लिए अन्नदाता को जूझना पड़ रहा है। हालत ये हैं कि कई जगह दूर दराज से आये किसान सुबह 5 बजे से सरकारी वितरण केंद्रों में लाइन में लग रहे हैं, लेकिन बावजूद इसके खाद नहीं मिल पा रही है, वही जिम्मेदार सुबह 11 बजे से पहले नही पहुंचते हैं। 11 बजे तक कार्यालय मे ताला लटका रहता है।

### खाद की डिमांड और सप्लाई में अंतर

प्रदेश में खाद सप्लाई यानि वितरण की व्यवस्था सहकारी समितियों और सरकारी केंद्रों के माध्यम से की जाती है। किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार विभिन्न उपाय कर रही है जैसे खाद वितरण केंद्रों की संख्या बढ़ाना, कालाबाजारी रोकना और टोकन सिस्टम लागू किया गया है। प्रदेश में सहकारी समितियों और सरकारी केंद्रों के माध्यम से खाद वितरण किया जाता है। ये समितियां किसानों को खाद, बीज और अन्य कृषि चीजें उपलब्ध करवाती हैं। सरकार हर जिले में वहां किसानों की संख्या के आधार पर खाद का रैक उपलब्ध कराती है लेकिन हर साल किसानों को उनकी जरुरत के अनुसार खाद नहीं मिल पाती। यहां कई बार खाद का स्टॉक होने के बावजूद तकनीकी समस्या के चलते खाद नहीं बंट पाता।

### पुष्पराजगढ़ विधायक तक कर चुके प्रदर्शन

10 जुलाई को जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील में खाद को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा था। किसानों ने करौंदी तिराहे पर चक्का जमकर विरोध प्रदर्शन किया किसानों के समर्थन में कांग्रेस विधायक फुंदेलाल सिंह भी धरने पर बैठे थे। किसानों ने अमरकंटक मार्ग पर जाम लगा दिया था तीन घंटे तक यहां जाम लगा रहा। जिसके बाद पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा अधिकारियों ने खाद आपूर्ति का आश्वासन भी दिया था। धरने के दौरान हाईवे पर तीन घंटे तक वाहनों के पहिये थमे रहे। आश्वासन के बाद पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को सहित किसानों ने धरना खत्म किया था।

### कलेक्टर ने भी लिया था संज्ञान

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सोमवार को समय सीमा बैठक में इस मुद्दे पर संज्ञान लिया था। उन्होंने कृषि विभाग से यूरिया, डीएपी और एनपीके सहित अन्य उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी ली। साथ ही सभी किसानों को निर्धारित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे उन्होंने निर्देशित किया था कि जिले के समस्त कृषकों को निर्धारित मात्रा में उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि उनकी कृषि गतिविधियों में कोई बाधा उत्पन्न न हो साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उर्वरकों के वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही तत्काल प्रभाव से की जाए।

### 15 दिन से चक्कर काट रहे किसान

किसानों का कहना है कि वे 15 दिनों से खाद के लिए चक्कर काट रहे किसान राजेश सिंह का आरोप है कि बड़े बड़े किसानों को सेटलमेंट करके खाद मिल जाता है और छोटे छोटे किसानो को खाद नहीं मिल पा रहा है। सुबह 4 बजे से लाईन में लगे हैं और 11 बजे पता चला कि खाद वितरण नहीं होगा। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र अनूपपुर में यूरिया रासायनिक खाद खरीदने के लिए हफ्तों से किसान, महिलाएं लाइन लगाकर ऋण पुस्तिका जमा कर खाद मिलने के आस में सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक इंतजार करने के बाद खाली हाथ लौट जाते हैं। सुबह फिर से खाद मिलने के आस में गोदाम के सामने लाइन लगाकर ऐसे बैठे रहते हैं जैसे अपराधी पेशी में अपने नाम के पुकार सुनने के लिए बैठा हो वही दृश्य खाद गोदाम अनूपपुर में चल रहा है। दो दिन पूर्व से ऋण पुस्तिका जमा करके प्रतिदिन उपस्थित रहने पर भी यूरिया खाद नही मिल रहा है। किसानों ने कहा कि रासायनिक खाद आपूर्ति पर किसानों के साथ मिलकर पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अनूपपुर के बैनर तले विरोध दर्ज कराया जाएगा।

# फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में पटवारी सहित सरपंच व सचिव को जेल

### मामला चचाई थाने के बसंतपुर दफाई अमलाई का

**हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।** आपराधिक षडयंत्र रचकर गोड जाति का फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाने वाले आरोपी सरपंच, सचिव एवं हल्का पटवारी एवं अपना फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाने वाले 03 अन्य आरोपियों को 04-04 साल की सश्रम कारावास एवं 2-2 हजार रूपये जुर्माना की सजा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय श्रीमती माया विश्वलाल द्वारा दी जाकर आरोपियो को जेल भेज दिया गया। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि मामला, थाना चचाई क्षेत्रान्तर्गत की है। 27.04.2014 से 16.07.2019 के मध्य ग्राम बसंतपुर दफाई अमलाई में सरपंच यदुराज पनिका, सचिव जितेन्द्र प्रजापति हल्का पटवारी शैलेन्द्र शर्मा के साथ मिलकर तथा आपराधिक षडयंत्र रचकर यह जानते हुये कि बसंतपुर कॉलरी की अभियुक्त रमा गिरी तथा उसकी पुत्रियॉ प्रियंका एवं मधु गोड जाति की नही है षडयंत्र पूर्वक उसकी दोने पुत्रियों प्रियंका एंव मधु का गोड जाति होने के संबंध में गा्रम पंचायत

से जाति प्रमाण पत्र व सेजरा का प्रतिवेदन कपटपूर्वक एवं बेईमानीपूर्वक इस आशय से तैयार कर छल कारित किया तथा उक्त दस्तावेजो के आधार पर कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर जिला अनूपपुर से अभियुक्त प्रियंका एवं मधु की गोड जाति का फर्जी जाति प्रमाण पत्र जो मूल्यवान दस्तावेज है, जारी कराकर कूटरचना कारित की तथा उसका असल के रूप में प्रयोग कर शासकीय सुविधाओं का लाभ अर्जित किया तथा लोगों को हरिजन एक्ट में फंसाने की धमकी देकर पैसों की ब्लैक मेंलिग की। फरियादी श्रीनिवास तिवारी के लिखित शिकायत के आधार पर थाना चचाई में अपराध क्र0 182/2019 दर्ज किया जाकर विवेचना करते हुये प्रथम दृष्टया अपराध पाये जाने पर अभियोग पत्र/अंतिम प्रतिवेदन माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। शासन की ओर से पैरवी करते हुये लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने माननीय न्यायालय के समक्ष कुल 17 साक्षियों की साक्ष्य करायी एवं 107 दस्तावेजों को प्रदर्शित कराया। आरोपियों ने भी अपने पक्ष में 01 साक्षी की साक्ष्य करायी गयी एवं 08 दस्तावेज प्रस्तुत किये। माननीय न्यायालय प्रकरण की सुनवाई करते हुए और शासन की और पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस एवं मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल ने आरोपियों को 04-04 साल की सश्रम कारावास एवं दो-दो हजार रूपये के अर्थ दण्ड से दण्डित किया जाकर आरोपियो को जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया।

# नर्मदा नदी की उद्गम स्थली अमरकंटक कई रूपों मे प्रसिद्ध

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।** अमरकंटक एक अद्भुत और अलौकिक नगरी है, जो मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। यह नगरी मध्य भारत में स्थित है और यहां से नर्मदा नदी निकलकर पश्चिम दिशा की ओर बहती है। अमरकंटक में एक छोटे से कुंड से नर्मदा नदी निकलती है, जो मध्य भारत की जीवनदायनी नदी है। पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदी': नर्मदा नदी पूरे भारत में एकमात्र नदी है जो पूर्व से निकलकर पश्चिम की ओर बहती है। नर्मदा परिक्रमा': नर्मदा नदी की परिक्रमा साल भर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु करते हैं, जिनको परिक्रमा वासी कहते हैं। अद्भुत और अलौकिक क्षेत्र': अमरकंटक एक अद्भुत और अलौकिक क्षेत्र है, जहां पर चारों तरफ से वन ही वन और जीवनदायनी मां नर्मदा का उद्गम है।

पर्यटन और धार्मिक महत्व

अमरकंटक एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां पर श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। अमरकंटक का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, जहां पर नर्मदा नदी की परिक्रमा की जाती है

और श्रद्धालु मां नर्मदा की पूजा-अर्चना करते हैं। अमरकंटक एक ऐसा स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महतत्व के लिए प्रसिद्ध है। श्री नर्मदा मंदिर परिसर अमरकंटक में स्थित एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो नर्मदा नदी के उद्गम स्थल पर बना हुआ है। यह मंदिर परिसर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर नर्मदा नदी के उद्गम स्थल पर बना हुआ है और इसमें नर्मदा देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। मंदिर परिसर प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है, जहां पर हरे भरे वन और नर्मदा नदी की धारा है। यह मंदिर परिसर धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, जहां पर श्रद्धालु नर्मदा देवी की पूजा-अर्चना करने आते हैं। धार्मिक महत्व': नर्मदा मंदिर परिसर का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, जहां पर श्रद्धालु नर्मदा देवी की पूजा-अर्चना करने आते हैं। यह मंदिर परिसर एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां पर पर्यटक आते हैं और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हैं। नर्मदा मंदिर परिसर नर्मदा परिक्रमा के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां पर श्रद्धालु नर्मदा नदी की परिक्रमा करते हैं। श्री नर्मदा मंदिर परिसर अमरकंटक में स्थित एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर परिसर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक आकर्षक स्थल है।

# अमरकंटक ताप विद्युत गृह की नवीन इकाई में हो रही देरी से लोगों में निराशा

### परियोजना का समय पर पूरा होने मे असमंजस

**हरिभूमि न्यूजचचाई।** मध्य प्रदेश के ऊर्जा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की प्रस्तावित नवीन इकाई के निर्माण में लगातार हो रही देरी के संबंध में भाजपा अनूपपुर किसान मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि स्थानीय लोगों और सरकारी अधिकारियों के बीच इस देरी ने निराशा पैदा कर दी है यह परियोजना जिसकी अनुमानित लागत हजारों करोड रुपए है राज्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए नवीन इकाई अत्यंत आवश्यक है। इस परियोजना में 660 मेगावाट की नवीन सुपर क्रिटिकल तकनीक आधारित इकाई स्थापित की जानी है मार्च 2023 में मध्य प्रदेश सरकार ने इस विस्तार के लिए रुपए 46 65.87 करोड़ की प्रारंभिक लागत को मंजूरी दी थी बाद में जनवरी 2024 में यह अनुमानित लागत बढ़कर 5600 करोड़ हो गई जिसे केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी। इस इकाई का मुख्य उद्देश्य राज्य की भविष्य की ऊर्जा जरूरत को पूरा करना और बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाना है यह परियोजना मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड और कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के एक संयुक्त उद्यम के रूप में स्थापित की जा रही है जिसका लक्ष्य 2027-28 तक परिचालन शुरू करना है। परियोजना के लिए कुछ भूमि अधिग्रहण और अन्य प्रारंभिक कार्य चल रहे हैं, लेकिन निर्माण की धीमी गति एक बड़े चिंता का विषय है। विशेषज्ञों

का मानना है कि इस तरह की बड़ी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने हेतु एक मजबूत कार्य योजना और तीव्र गति से काम करने की आवश्यकता है धीमी गति के कई कारण हो सकते हैं जिसमें प्रशासनिक अड़चनें वित्तीय विलंब और ठेकेदारों के चयन में लगने वाला समय होता है। स्थानीय लोगों में निराशा का एक बड़ा कारण इस परियोजना से रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद थी जो अब अधर में लटकी हुई दिख रही है युवा वर्ग व्यापारी समुदाय इस परियोजना के जल्द प्रारंभ होने का इंतजार है ताकि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके परियोजना को पटरी पर लाने के लिए सरकार और संबंधित कंपनियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है कुछ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही है समयबद्ध तरीके से निविदाओं को पूर्ण करना और निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करना आवश्यक है यदि परियोजना में और विलंब होता है तो लागत में भी 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है जिसका बोझ अंततः राज्य के खजाने पर पड़ेगा। लोगों द्वारा उम्मीद की जा रही है कि संबंधित विभाग इस मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाएंगे ताकि अमरकंटक की अति आवश्यक महत्वपूर्ण इकाई अपने निर्धारित समय पर बिजली उत्पादन शुरू कर सके और राज्य की ऊर्जा जरूरत को पूरा किया जा सके।

# छत्तीसगढ़ से आए हाथी ने महिला पर जानलेवा हमला कर किया घायल

### जिला चिकित्सालय में चल रहा इलाज
### वन विभाग ने दी सहायता राशि

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** शुक्रवार की सुबह एक नर हाथी छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार कर अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में चोलना गांव से कुकुरगोड़ा पहुंचकर दिशा मैदान को गई महिला पर हमला कर घायल कर दिया घायल को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर के भर्ती किया गया है। वन विभाग के द्वारा हाथी से घायल महिला को सहायता राशि प्रदान की। इस संबंध में बताया गया कि विगत 29 जुलाई को चार हाथियों का समूह अनूपपुर जिले के साथ डिंडोरी, उमरिया एवं शहडोल जिले में विचरण करते 46 दिन बाद फिर से छत्तीसगढ़ राज्य की ओर जाकर विचरण कर रहा है जिसमें दो हाथी अपने बड़े समूह छत्तीसगढ़ राज्य के कटघोरा वन मंडल में चले गये वहीं विगत चार दिनों से दो हाथी अलग-अलग होकर एक हाथी एक दांत वाला मरवाही वन परिक्षेत्र तथा बीट के जंगलों में दिन में ठहरते हुए रात में आसपास के ग्रामीण अंचलों में विचरण कर रहा है वहीं दूसरा दो दांत वाला बड़ा नर हाथी जो सोमवार को दिन में मरवाही के घुसरिया बीट के चरचेड़ी जंगल में रहने बाद दिन रात शाम को जंगल से निकलकर मरवाही के सिवनी बीट के जंगल एवं ग्रामीण अंचलों में विचरण करता हुआ अचानक छुप गया जो सुबह होते-होते अनूपपुर जिले के जैतहरी तहसील थाना के चोलना पंचायत एवं गांव से लगे गूजर नाला को पार कर एक बार फिर वापस आ गया यह हाथी चोलना से कुकुरगोंड़ा पहुंचकर मंगलवार की सुबह 5:30 बजे कुकुरगोंबा के बेल्हाटोला निवासी 27 वर्षीय महिला यशोदा बाई सिंह पति कुंवर सिंह जो सुबह उठकर घर से कुछ दूर दिशा मैदान के लिए गई थी तभी अचानक हाथी तेजी से चिंघाडते महिला को सूढ से पकड़ कर पटकते हुए पैर से दबाने की कोशिश की इस बीच हो-हल्ला करने पर हाथी चोलना एवं धनगवां बीट के बीच स्थित जंगल में चला गया।

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी ब्यौहारी जिला-शहडोल (म.प्र.)**
Email address-ro83beohari@gmail.com.
क./प्रवा./2025 प्रो. कि.
ब्यौहारी दिनांक 15/07/2025
**समाचार पत्र प्रकाशन**
एतद् द्वारा समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि, मेरे न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण क./0120/अ-63/2024-25 अपीलार्थी बद्री प्रसाद ब्राम्हण पिता श्यामलाल ब्रा. बगै. सा. तेन्दुहा तहसील ब्यौहारी जिला-शहडोल बनाम विजय कुमार पिता जगन्नाथ ब्रा. बगै. सा. तेंन्दुहा तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल (म०प्र०) प्रचलित प्रकरण में अपीलार्थी/ रेस्पा.गण सूचित हो कि उक्त उन्माद प्रकरण में नियत पेशी तिथि 25/08/2025 को स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होवे। नियत तिथि को उपस्थित नही होने पर गुण-दोष के आधार पर निराकरण किया जावेगा।
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
ब्यौहारी, जिला शहडोल (म.प्र.)

# कलेक्टर के आदेश के बाद भी तहसील भवन के कार्य में हो रहा विलंब

### शीघ्र और ठोस कदम नहीं उठाने पर मांग आंदोलन मे हो सकती है तब्दील

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।** जिले में तहसील भवन के निर्माण को लेकर नागरिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। जिले के प्रमुख जनों और गणमान्य नागरिकों के आग्रह पर तहसील कार्यालय का नया भवन यथास्थान पर बनाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक न तो भूमिपूजन हुआ और न ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो सका। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को जल्द से जल्द तहसील भवन के निर्माण की दिशा में

कदम उठाना चाहिए। यदि पुराने भवन को हटाना आवश्यक हो तो उसे तत्काल हटाकर नए भवन की नींव रखी जाए। सामाजिक कार्यकर्ता एवं पत्रकार आदर्श दुबे (निवासी वार्ड क्रमांक 9, अनूपपुर) ने कहा कि "जनता आप पर जनहितैषी अधिकारी होने के नाते विश्वास करती है। यदि तहसील भवन का निर्माण शीघ्र नहीं हुआ तो यह मुद्दा जन आंदोलन का रूप ले सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिस स्थान पर तहसील कार्यालय को स्थानांतरित करने की चर्चा है, वह जगह वास्तव में खेल मैदान के लिए उपयुक्त है। यह मैदान कन्या प.मा.वि. मॉडल स्कूल तथा वार्ड क्रमांक 1 से 8 के बच्चों को खेलकूद और शारीरिक विकास के लिए आवश्यक होगा। साथ ही कलेक्ट्रेट कॉलोनी के निवासियों के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगी। श्री दुबे ने जोर देकर कहा कि यदि प्रशासन जनहित में काम करता है तो जनता का विश्वास और बढ़ेगा। तहसील भवन यथास्थान पर बने और विवादित स्थान पर सुंदर खेल मैदान तैयार किया जाए। यही जनता की अपेक्षा है। जनता का मानना है कि यदि प्रशासन ने इस मुद्दे पर शीघ्र और ठोस कदम नहीं उठाए, तो यह मांग धीरे-धीरे आंदोलन का रूप ले सकती है। जिला स्तरीय संस्कृति महोत्सव, ज्ञान-विज्ञान एवं वैदिक गणित समारोह संपन्न।